

# समाचार वाणी

## खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

सेशेल्स दौरे पर रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी, बोले- 'हिंद महासागर मे हंमारा अहम समुद्री पड़ोसी'; राष्ट्रीय दिवस समारोह मे होंगे मुख्य अतिथि

Sanket Morankar

Published on 27 Jun 2026



प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हिंद महासागर के द्वीपीय देश **सेशेल्स** के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री सेशेल्स के **राष्ट्रीय दिवस (नेशनल डे)** के स्वर्ण जयंती समारोह में **मुख्य अतिथि (Guest of Honour)** के रूप में शामिल होंगे। यह दौरा दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और समुद्री सहयोग को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी यह यात्रा **सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी** के आमंत्रण पर कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय (MEA) के अनुसार, इस दौरे के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं पर व्यापक चर्चा होगी। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

समुद्री पड़ोसी और रणनीतिक साझेदार

यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेशेल्स भारत का एक **“महत्वपूर्ण और मूल्यवान समुद्री पड़ोसी”** है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-जन के रिश्तों पर आधारित हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत की **‘विजन महासागर (MAHASAGAR – Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions)’** नीति का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। साथ ही यह भारत की **ग्लोबल साउथ** के प्रति प्रतिबद्धता का भी अहम हिस्सा है।

राष्ट्रपति हर्मिनी से होगी अहम वार्ता

प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति **पैट्रिक हर्मिनी** के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, क्षमता निर्माण, डिजिटल परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन जैसे कई विषयों पर चर्चा होगी।

बैठक में हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती सामरिक चुनौतियों और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर विशेष जोर रहने की संभावना है।

संसद को करेंगे संबोधित

राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी **सेशेल्स की नेशनल असेंबली** को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वे वहां रह रहे भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे।

भारतीय मूल के लोगों की सेशेल्स में उल्लेखनीय उपस्थिति रही है और दोनों देशों के बीच मजबूत जनसंपर्क संबंधों की यह एक महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है।

कई अहम समझौतों की संभावना

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं—

- समुद्री सुरक्षा सहयोग
- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
- साइबर सुरक्षा
- ब्लू इकोनॉमी
- समुद्री विज्ञान एवं संरक्षण
- डिजिटल भुगतान प्रणाली
- क्षमता निर्माण कार्यक्रम

इन समझौतों से भारत और सेशेल्स के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

फरवरी में भारत आए थे राष्ट्रपति हर्मिनी

इस वर्ष फरवरी में सेशेल्स के राष्ट्रपति **पैट्रिक हर्मिनी** भारत की छह दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए थे। उस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी के बीच व्यापक बातचीत हुई थी।

बैठक में भारत ने सेशेल्स को **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर**, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-गवर्नेंस विकसित करने में सहयोग देने का आश्वासन दिया था।

दोनों देशों ने उस समय '**सेसेल (SESEL) – Joint Vision for Sustainability, Economic Growth and Security through Enhanced Linkages**' नामक साझा विजन दस्तावेज भी अपनाया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी दिया था भरोसा

अप्रैल 2026 में विदेश मंत्री **एस. जयशंकर** ने मॉरीशस में आयोजित **9वे इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस** के दौरान सेशेल्स के विदेश मंत्री **बैरी फॉरे** से मुलाकात की थी।

इस दौरान भारत ने सेशेल्स को उसकी आर्थिक चुनौतियों से निपटने में हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिया था और विशेष आर्थिक पैकेज के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई थी।

उच्चायुक्त ने बताए भविष्य के सहयोग के क्षेत्र

सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त **रोहित राठीश** ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले कहा कि दोनों देशों के संबंध बेहद मजबूत और गतिशील हैं।

उन्होंने बताया कि अब भारत और सेशेल्स पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़ते हुए **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर स्पेस, साइबर सुरक्षा, समुद्री विज्ञान, समुद्री संरक्षण और ब्लू इकोनॉमी** जैसे नए क्षेत्रों में साझेदारी का विस्तार करने की दिशा में काम कर रहे

हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच लगातार उच्च स्तरीय यात्राएं इस बात का संकेत हैं कि द्विपक्षीय संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं।

हिंद महासागर में भारत की रणनीति को मिलेगा बल

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

सेशेल्स भारत की समुद्री सुरक्षा नीति का प्रमुख साझेदार रहा है और दोनों देशों के बीच रक्षा, तटरक्षक सहयोग, समुद्री निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में पहले से ही मजबूत तालमेल मौजूद है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा इन संबंधों को और अधिक व्यापक तथा भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.